

多少人走着走着就散了

1 = \flat D $\frac{4}{4}$
 $\text{♩} = 56$

演唱：杜青

刘 海 东 词曲
 桃李醉春风 记谱

(6 3 6 7 7 3 6 7 6 3 6 7 7 3 6 7 | 1̇ 3 6 1̇ 1̇ 3 6 1̇ 7 - | 6̇. 5̇ 6̇ 1̇ ? 7 1 2 |

3 - 7 -) | 0 1̇ 6 6 5 5 3 6 0 | 2 5 3 3 0 0 | 0 3 3 5 6 6 6 6 0 |

多少人走着走着 就散了， 是不是他们想好了

5 3 2 3 3 0 0 | 0 2̇ 2̇ 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ 0 | 1̇ 6 6 5 5 6̇. 6 0 |

明天的路， 究竟无法抗拒 经历的所 有，

0 2 2 3 5 5 5 0 | 2 1 2 3 - 0 ||: 0 1̇ 6 6 5 5 3 6 0 | 2 5 3 3 0 0 |

才会把过去 当成宿命。 多少人想着想着 就忘了，

0 3 3 5 6 6 6 6 6 0 | 5 3 2 3 3 0 0 | 0 2̇ 2̇ 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ 0 |

是不是已经感觉到 无关痛痒， 谁能轻易复制

1̇ 6 6 5 5 1̇ 6 6 0 | 0 2 2 3 5 5 5 5 - | 5 3 5 6 - - |

青春的盛 宴， 可一颗远飞的心 要怎么做。

§
3̇ 3̇ 3̇ 3̇ 2̇ 1̇ 6 3̇ - | 2̇ 2̇ 2̇ 1̇ 2̇ 2̇ 3̇ 1̇ 6 6. | 3̇ 3̇ 3̇ 3̇ 5̇ 3̇ 2̇ 2̇ 3̇. |

难道我们不该相信， 那些一路走过的青 春， 拾起月光凝成的脚步，

6 6 6 3̇ 2̇ 3 5 6 - | 3̇ 3̇ 3̇ 3̇ 2̇ 1̇ 6 3̇ - | 2̇ 2̇ 2̇ 1̇ 2̇ 2̇ 3̇ 1̇ 6 6. |

已是大风扬起的沙。 难道我们不该相信， 那些一路雕琢的坎 坷，

3̇ 3̇ 3̇ 3̇ 5̇ 3̇ 2̇ 2̇ 3̇. | 6 6 6 3̇ 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ 1̇ 6 - | (间奏略) :||

已成风蛀流年的回忆， 还有什么可以纪 念。

6 6 6 3̇ 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ 1̇ 6 - || 2/4 6 6 6 3̇ 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ | 4/4 1̇ 6 - - - ||

还有什么可以纪 念。 D.S. 还有什么可以纪 念。